पर्यावरण विभाग

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

'सी' विंग, छटा तल, दिल्ली सचिवालय, आई.पी. एस्टेट, नईदिल्ली–110002

फा. सं: 10(54)/पर्यावरण/2021/6765-6768 दिनांक : 30/12/21

सेवा में,

श्रीमान उपसचिव (प्रश्न शाखा)
दिल्ली विधान सभा सचिवालय
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार
पुराना सचिवालय, दिल्ली – 110054

विशय : **विधानसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 177 दिनाँक 04.01.2022 के लिए**

महोदय/महोदया,

उपरोक्त उद्धृत विषयानुसार संदर्भ पत्रांक संख्या सं.एफ.11(बी–1) VI/2020–25/वि.स.स./प्रश्न शा./ दिनाँक 25.12.2021, इस कार्यालय से संबंधित एवं उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर पूछे गए प्रश्न का उत्तर अग्रिम कार्यवाही हेतु संलग्न है।

यह विषय माननीय मंत्री (पर्यावरण) / सक्षम अधिकारी से पूर्व अनुमोदित/स्वीकृत है।

भवदीय,

चेतना

(डॉ चेतना आनंद)
वरिष्ठ वैज्ञानिक, पर्यावरण

संलग्नः– उत्तर की प्रतियां (संख्या 100)

फा. सं: 10(54)/पर्यावरण/2021/6765-6768 दिनांक : 30/12/21

प्रतिलिपि सूचनार्थः–

1. सचिव, माननीय मंत्री (पर्यावरण विभाग), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार, दिल्ली सचिवालय, नई दिल्ली।
2. निजि सचिव, सचिव (पर्यावरण एवं वन्य विभाग), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार, दिल्ली सचिवालय, नई दिल्ली।

प्रतिलिपि आवश्यक कार्यवाही हेतुः–

1. निदेभाक, सूचना एवं प्रचार निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार, पुराना सचिवालय, दिल्ली – 110054 **(संलग्न 150 प्रश्न–उत्तर की प्रतियां)।**

चेतना

(डॉ चेतना आनंद)
वरिष्ठ वैज्ञानिक, पर्यावरण

Dr. CHETNA ANAND
Senior Scientific Officer
Department of Environment
Govt. of NCT of

पर्यावरण विभाग,राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार

'सी' विंग, छठा तल, दिल्ली सचिवालय, आईपी स्टेट, नई दिल्ली-110002

अतारांकित प्रश्न संख्या : 177

दिनांक : 04 जनवरी, 2022

प्रश्नकर्ता का नाम : श्री महेन्द्र गोयल

क्या पर्यावरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

क्रम सं	प्रश्न	उत्तर
क-	पिछले दिनों दिल्ली में प्रदूषण स्तर बढ़ने का मुख्य कारण क्या था;	दिल्ली सरकार के पर्यावरण विभाग द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान आईआईटी कानपुर के माध्यम से कराए गए अध्ययन (2016) के अनुसार दिल्ली में वायु प्रदूषण के प्रमुख स्रोतों की पहचान निम्नानुसार की गई है:- • वाहन प्रदूषण। • सड़क और जमीन पर उड़ने वाले धूल कण और उनका पुन: निलंबन। • निर्माण और विध्वंस गतिविधियों के कारण उत्पन्न धूल। • सूखे पत्तों/कचरा आदि को जलाना। • औद्योगिक प्रदूषण उत्सर्जन। • विशेष रूप से पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने के कारण अन्य राज्यों से दिल्ली में प्रदूषकों का प्रवेश। • औद्योगिक स्रोत इसके अलावा, अध्ययन रिपोर्ट में गर्मी और सर्दियों के दौरान प्रमुख स्रोतों से परिवेशी वायु में $PM_{2.5}$ और PM_{10} का प्रतिशत संकेंद्रण दर्शाया गया है:

स्रोत	$PM_{2.5}$ का प्रतिशत संकेंद्रण (सर्दी)	$PM_{2.5}$ का प्रतिशत संकेंद्रण (गर्मी)
वाहन	25%	9%
माध्यमिक कण	30%	15%
पत्तियां आदि जलाना	26%	12%
कोयला और फ्लाई ऐश	5%	26%
निर्माण	2%	3%
जमीन और सड़क पर उड़ने वाली धूल	4%	27%
ठोस कचरा जलाना	8%	7%

चेतना

Dr. CHETNA ANAND
Senior Scientific Officer
Department of Environment
Govt. of NCT of Delhi

		<table><tr><th>स्रोत</th><th>PM_{10} का प्रतिशत संकेंद्रण (सर्दी)</th><th>PM_{10} का प्रतिशत संकेंद्रण (गर्मी)</th></tr><tr><td>वाहन</td><td>20%</td><td>6%</td></tr><tr><td>माध्यमिक कण</td><td>25%</td><td>10%</td></tr><tr><td>पत्तियां आदि जलाना</td><td>17%</td><td>7%</td></tr><tr><td>कोयला और फ्लाई ऐश</td><td>12%</td><td>37%</td></tr><tr><td>निर्माण</td><td>3%</td><td>4%</td></tr><tr><td>जमीन और सड़क पर उड़ने वाली धूल</td><td>14%</td><td>26%</td></tr><tr><td>ठोस कचरा जलाना</td><td>9%</td><td>8%</td></tr></table> सर्दियों के महीनों के दौरान, विशेष रूप से पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने और महत्वपूर्ण मौसम वैज्ञानिक स्थितियों के कारण प्रदूषकों का अन्य राज्यों से दिल्ली में आना वायु प्रदूषकों के उच्च संकेंद्रण का कारण बनता है।
ख-	क्या पड़ोसी राज्यों के पराली जलाने से प्रदूषण की मात्रा हर वर्ष अधिक होती है, दिल्ली में कुल प्रदूषण का कितना प्रतिशत पड़ोसी राज्यों के कारण होता है;	सफर मॉडल के अनुसार, 2021 (अक्टूबर - नवंबर 2021) के लिए पीएम 2.5 (PM 2.5) में फसल अवशेष जलाने के उत्सर्जन का प्रतिशत हिस्से के आंकड़े **अनुलग्नक ए के रूप में संलग्न है।**
ग-	पिछले 4 वर्षों में पड़ोसी राज्यों से बढ़ने वाले प्रदूषण की औसत क्या मात्रा रही, वर्षवार विवरण दें;	पड़ोसी राज्यों से बढ़ रहे औसत प्रदूषण पर वर्षवार का कोई प्राथमिक डेटा उपलब्ध नहीं है।
घ-	पड़ोसी राज्यों को पराली जलाने से रोकने हेतू विभाग द्वारा क्या कदम उठाए गये हैं;	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के पर्यावरण विभाग ने 23.11.2020 को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों के लिये वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) में याचिका देकर अन्य एनसीआर राज्यों को पराली डि-कंपोज के लिये आईएआरआई पूसा प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल की सलाह देने का आग्रह किया है। आयोग ने दिल्ली सरकार को पूसा प्रौद्योगिकी की प्रभावकारिता की जांच के लिये तीसरे पक्ष द्वारा अध्ययन कराये जाने की सलाह दी है। दिल्ली सरकार के विकास विभाग ने WAPCOS द्वारा संचालित पूसा प्रौद्योगिकी की प्रभावकारिता पर सीएक्यूएम को 16.09.2021 को अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की।

चेतना

Dr. CHETNA ANAND
Senior Scientific Officer
Department of Environment
Govt. of NCT of Delhi

		साथ ही, WAPCOS द्वारा आयोजित पूसा प्रौद्योगिकी की प्रभावकारिता पर अंतिम रिपोर्ट वाला हलफनामा माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष 14.11.2021 को WPC 1135/2020 शीर्षक, आदित्य दुबे (नाबालिग) बनाम भारत संघ और अन्य से दायर किया गया था। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के माननीय मंत्री (पर्यावरण) ने 07.11.2021, 11.11.2021 और 03.12.2021 को भारत सरकार के माननीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री को पत्र लिखकर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के राज्यों में पराली जलाये जाने की रोकथाम और आईएआरआई बायो डी-कंपोजर प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल के लिये आवश्यक हस्तक्षेप किए जाने का अनुरोध किया है।
ङ-	क्या यह भी सत्य है कि प्रदूषण के नाम पर छोटे व मझोले व्यापारियों के मनमाने चालान काटे जा रहे हैं, यदि हां तो इस संबंध में क्या कार्यनीति है; और	माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने ओ ए 697/2018 शीर्षक रेजिडेंट वेलफेयर एसोसियेशन, लक्ष्मी नगर बनाम राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के आदेश दिनांक 16.01.2019 द्वारा, ओ ए संख्या 630/2018, शीर्षक डॉ अरुण कुमार बनाम राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के आदेश दिनांक 18.01.2019 द्वारा, और ओ ए संख्या 700/2018 शीर्षक मोहम्मद सलीम, सचिव दिल्ली विकास मंच, सीलमपुर बनाम राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के आदेश दिनांक 31.01.2019 द्वारा पर्यावरण के नुकसान की वसूली का सिद्धांत लागू करने का निर्देश दिया है और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति- (डीपीसीसी) द्वारा केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड- (सीपीसीबी) से विकसित फार्मूले के आधार पर इसे लागू किया जा रहा है।
च-	पिछले एक वर्ष मे NGT द्वारा दिल्ली तथा पड़ोसी राज्यों के छोटे व मंझोले व्यापारियों के कितने चालन किए गए/नोटिस दिए गए, अलग–अलग पूर्ण विवरण दें?	इसकी जानकारी विभाग के पास नहीं है।

चेतना

Dr. CHETNA ANAND
Senior Scientific Officer
Department of Environment
Govt. of NCT of Delhi

2021 में पी.एम. 2.5 के लिए पराली जलाने का योगदान : सफर मॉडल के अनुसार	
दिनांक	पी.एम. 2.5 में फसल अवशेष जलाने (उत्सर्जन) का प्रतिशत में योगदान
16–अक्टूबर	14
17–अक्टूबर	2
18–अक्टूबर	.
19–अक्टूबर	.
20–अक्टूबर	12
21–अक्टूबर	15
22–अक्टूबर	4
23–अक्टूबर	3
24–अक्टूबर	2
25–अक्टूबर	6
26–अक्टूबर	8
27–अक्टूबर	16
28–अक्टूबर	19
29–अक्टूबर	20
30–अक्टूबर	12
31–अक्टूबर	8
1–नवम्बर	7
2–नवम्बर	6
3–नवम्बर	8
4–नवम्बर	25
5–नवम्बर	36
6–नवम्बर	41
7–नवम्बर	48
8–नवम्बर	30
9–नवम्बर	27
10–नवम्बर	27
11–नवम्बर	26
12–नवम्बर	35
13–नवम्बर	31
14–नवम्बर	12
15–नवम्बर	10
16–नवम्बर	8
17–नवम्बर	6
18–नवम्बर	2
19–नवम्बर	3
20–नवम्बर	5
21–नवम्बर	8
22–नवम्बर	6
23–नवम्बर	3
24–नवम्बर	.
25–नवम्बर	.
26–नवम्बर	8
27–नवम्बर	.
28–नवम्बर	.
29–नवम्बर	.
30–नवम्बर	1

Dr. CHETNA ANAND
Senior Scientific Officer
Department of Environment
Govt. of NCT of Delhi